

● सुनो, समझो और गाओ :

द. आह्वान

-देवेन्द्र आर्य

इस कविता में कवि ने आने वाली प्रत्येक परिस्थिति का निडर होकर सामना करने की प्रेरणा दी है।



अध्ययन कौशल



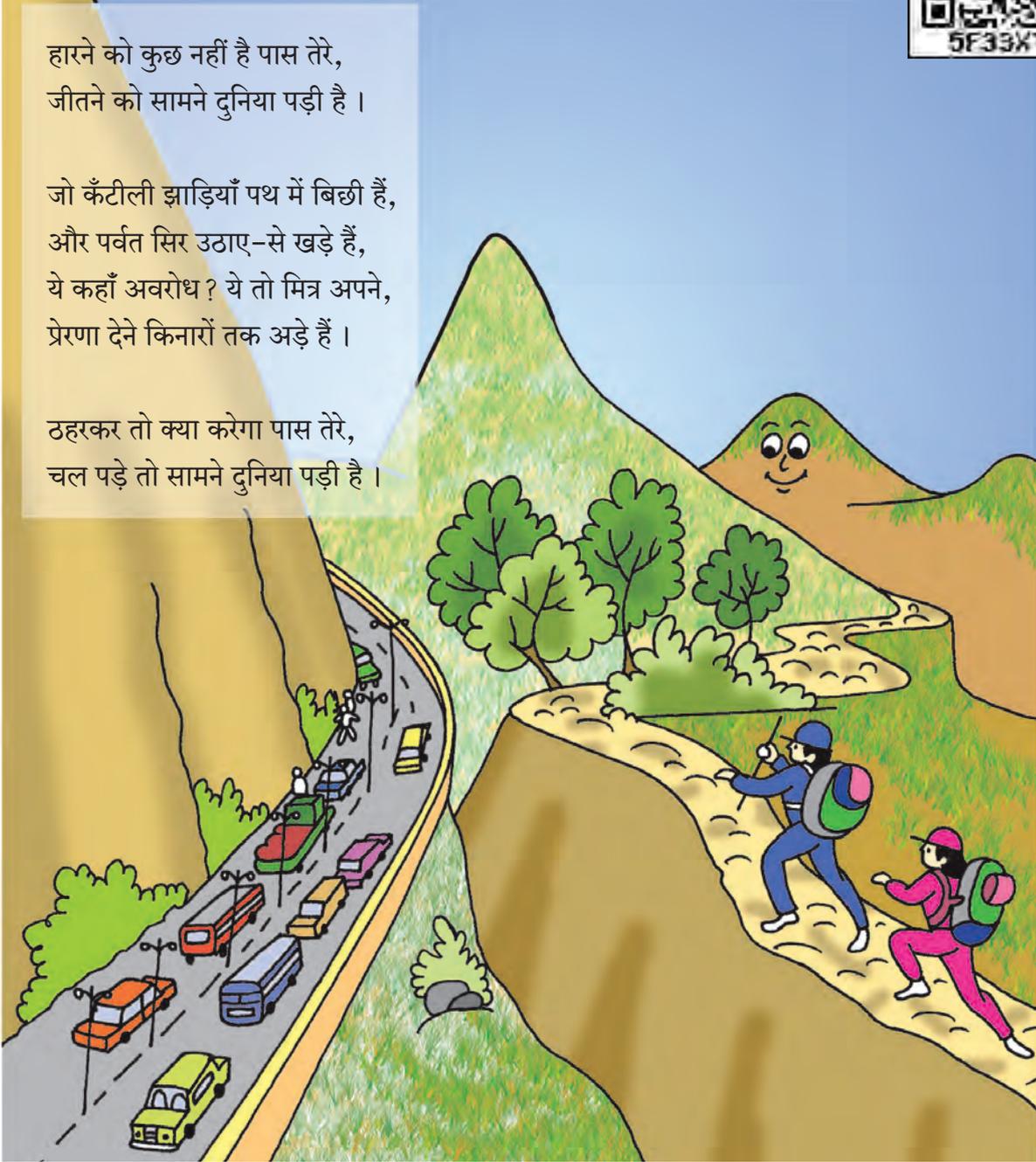
कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ वर्ण क्रमानुसार शब्दकोश में ढूँढो और लिखो।



हारने को कुछ नहीं है पास तेरे,
जीतने को सामने दुनिया पड़ी है।

जो कँटीली झाड़ियाँ पथ में बिछी हैं,
और पर्वत सिर उठाए-से खड़े हैं,
ये कहाँ अवरोध? ये तो मित्र अपने,
प्रेरणा देने किनारों तक अड़े हैं।

ठहरकर तो क्या करेगा पास तेरे,
चल पड़े तो सामने दुनिया पड़ी है।

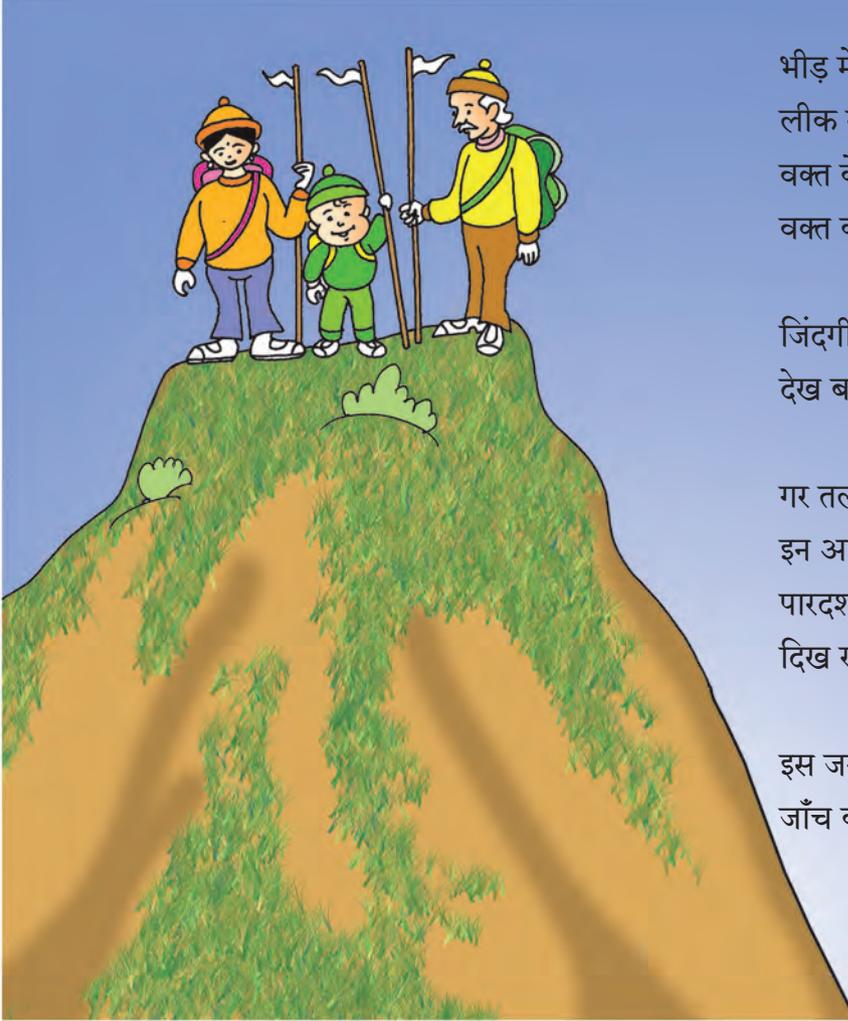


- उचित आरोह-अवरोह, हाव-भाव के साथ कविता का पाठ करें। विद्यार्थियों से एकल एवं गुट में पाठ कराएँ। कविता में आए भावों पर प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा करें। विषम परिस्थितियों में भी अपना कार्य पूरा करने के लिए प्रेरित करें।

सदैव ध्यान में रखो



धैर्य के साथ हौसला रखते हुए मुसीबतों का सामना करना चाहिए ।



भीड़ में पहचान कब होती किसी की,
लीक से हटकर चलो तो बात है कुछ ।
वक्त के आगे सभी बेबस हुए हैं,
वक्त को बेबस करो तो बात है कुछ ।

जिंदगी के चार पल हैं पास तेरे,
देख बाँहों में लेने दुनिया खड़ी है ।

गर तलाशो तो तलाशो आग अपनी,
इन अलावों में कहाँ चिनगारियाँ हैं ।
पारदर्शी से बने जग आईनों में,
दिख रही ये कौन-सी परछाइयाँ हैं ।

इस जगत का व्याकरण है पास तेरे,
जाँच कर पढ़ना कि ये दुनिया बड़ी है ।



मैंने समझा



शब्द वाटिका

नए शब्द

कँटीली = जिसमें काँटे हो ।

अवरोध = रुकावट

लीक = लकीर, रेखा

बेबस = लाचार, पराधीन

अलाव = आग जलाने के लिए बनाया हुआ गड्ढा

व्याकरण = लेखा



स्वयं अध्ययन

कविता में आए शब्दों के माध्यम से चित्रात्मक कहानी बनाओ ।



विचार मंथन



॥ सत्कर्मों की तूलिका से जीवन में रंग भरो ॥



खोजबीन

‘आईने’ कितने प्रकार के होते हैं और उनका उपयोग कहाँ-कहाँ किया जाता है, खोजो ।



सुनो तो जरा

कोई प्रयाणगीत सुनो और उसे सस्वर सुनाओ ।



वाचन जगत से

कोई साहसकथा पढ़ो तथा कक्षा में सुनाओ ।



बताओ तो सही

अगर तुम भीड़ में खो गए तो क्या करोगे, चर्चा करो ।



मेरी कलम से

तुमने किसी कठिन परिस्थिति का सामना कैसे किया ? प्रसंग आत्मकथनात्मक रूप में लिखो ।



जरा सोचो चर्चा करो

यदि प्रकृति में सुंदर-सुंदर रंग नहीं होते तो

* निम्नलिखित काव्यपंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

‘वक्त के आगे सभी बेबस हुए हैं ।

वक्त को बेबस करो तो बात है कुछ ।’



भाषा की ओर

नीचे दिए गए शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द मित्र की सहायता से ढूँढ़कर लिखो ।

							
_____	कंजूस	_____	निःशुल्क	_____	संतुष्ट	_____	बेकसूर
							
_____	भीड़	_____	नुकसान	_____	कृत्रिम	_____	आस्था
							
_____	विवेक	_____	सफल				